

इन चरणों में वो जादू है भजन लिरिक्स



इन चरणों में वो जादू है,
पत्थर भी नारी बन जाती है।
(तर्ज :- तेरे चेहरे में वो जादू है)

इन चरणों में वो जादू है,
पत्थर भी नारी बन जाती है।
कैसे बिठाऊँ प्रभु मेरे,
कमजोर मेरी ये कशती है ॥
इन चरणों में ...

आपके चरणों से लगकर,
नारी बन गया था एक पत्थर,
गायब हुआ गगन में उड़कर,
मन में बहुत मैं घबराऊँ।
लकड़ी की नौका मेरी जो खो जाये,
धन्धा मेरा चौपट हो जाये,
परिवार सारा भूखा मर जाये,
कैसे मैं अपना घर चलाऊँ।
इन चरणों को धोऊँगा पहले मेरी यह विनती है ॥१॥
इन चरणों में ...

सुनके बात श्रीराम बोले,
हे केवट हो तुम बड़े भोले,
मन की शंका अपनी मिटालो,
इतनी सी बात से क्यों घबराये।
धोने लगा जब प्रभु के चरण,
खुशी से भर गया केवट का मन,
धन्य हुआ मेरा जीवन,
आज प्रभु जो घर मेरे आये।
घड़ी ऐसी प्रभु दर्शन की किस्मत से मिलती है ॥२॥
इन चरणों में ...

फिर दौड़के झट नाव लाया,
राम लखन सिया को बिठाया,
पार उनको नदी से लगाया,
तब देने लगे राम किराया।
बोले केवट नहीं लूँगा उतराई,
माफ करना मुझे हे रघुराई,
मुझे देना भव सागर पार,
मैंने नदी पार जो लगाया।
आपकी कृपा से ही प्रभुजी नाव 'खेदड़' की चलती है ॥३॥
इन चरणों में ...



पत्थर भी नारी बन जाती है।
कैसे बिठाऊँ प्रभु मेरे,
कमजोर मेरी ये कशती है ॥
इन चरणों में ... by pkhedar